सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 12 ● अंक 150 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 7 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

दूसरों की गलतियों से सीखो। तुम कभी इतना लम्बा नहीं जी सकते की सारी गलतियां खुद करो।
- ग्रुशो मार्क्स

जिंबावे से टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम... 7 | डीएमके सरकार की पूर्व मंत्री गिरफ्तार... 3 | डबल-इंजन सरकार में जारी... 2

राम मंदिर दान चोरी प्रकरण पर पूरे देश में शुरू होगा विपक्ष का रण

ट्रस्ट भंग कर शंकराचार्यों को मिले जिम्मेदारीः विपक्ष

» सारे दल करेंगे प्रदर्शन
» रघुपति राघव राजा राम सत्याग्रह से आज से होगी शुरुआत
» ट्रस्ट की बैठक, निर्णयों और नियुक्तियों को विपक्ष मान रहा है लीपा पोती

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार चंपत राय और अनिल मिश्रा को इस्तीफा देना ही पड़ा। दबाव भरे माहौल में आहूत मंदिर ट्रस्ट की बैठक में डैमेज कंट्रोल करने की सभी कोशिशें की गयी। ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को बुलाई गयी है जिसमें ट्रस्ट के भीतर सीईओ की नियुक्ति की जाएगी। सीईओ बनाने के लिए तीन सदस्य कमेटी का अलग से गठन किया है। कमेटी सीईओ के नाम की घोषणा करेगी।

वहीं चंपत राय की जगह कृष्ण मोहन का ट्रस्ट का नया कार्यवाहक महासचिव बनाया गया है। उनकी टीम चंपत राय की जगह लेगी। कुल मिलाकर मंदिर दान चोरी प्रकरण में ट्रस्ट की जिस बैठक का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था वह सम्पन्न हो चुकी है। दान चोरी मामले में पकड़े गये लोगों से पूछताछ जारी है। उम्मीद है कि ट्रस्ट की अगली बैठक से पहले एसआईटी अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक कर दे। वहीं ट्रस्ट की बैठक के बाद वह राजनीतिक पार्टियां जो मौजूदा समय में विपक्ष में है के तेवर सांतवे आसमान पर पहुंच चुके हैं। विपक्षी राजनीतिक पार्टियां ट्रस्ट की बैठक को लीपा पोती बता रही है और बड़े सियासी लोगों को बचाने की नजर से देख रही है। विपक्ष का कहना है कि सीबीआई जांच हो और राम मंदिर ट्रस्ट भंग कर नई व्यवस्था बनाई जाए जिसमें शंकराचार्य और अयोध्या के प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी मिलनी चाहिए।

राम मंदिर ट्रस्ट भंग कर नई व्यवस्था बनाई जाए

ट्रस्ट में बड़े बदलाव हो चुके हैं। महासचिव बदल चुके हैं जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण हो रहा है और जांच अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। लेकिन विपक्ष कह रहा है कि यह पर्याप्त नहीं है। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मांग उठाई है कि मौजूदा ट्रस्ट को भंग कर नई व्यवस्था बनाई जाए जिसमें शंकराचार्यों और अयोध्या के प्रतिनिधियों को प्रमुख जिम्मेदारी दी जाए। इससे पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। यहीं से शुरू होती है असली राजनीतिक लड़ाई। क्या यह केवल जवाबदेही की मांग है? क्या यह प्रशासनिक सुधार का प्रस्ताव है? या फिर आस्था के सबसे बड़े प्रतीक पर राजनीतिक वर्चस्व की नई जंग? देश देख रहा है कि एक ओर सरकार और ट्रस्ट बदलावों के जरिए भरोसा बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि केवल चेहरे बदलने से काम नहीं चलेगा व्यवस्था बदलनी होगी। सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं बयान तेज हो रहे हैं और अदालत में जांच से जुड़े मामले आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल राजनीति से भी बड़ा है और वह यह है कि जिस राम मंदिर को करोड़ों श्रद्धालुओं ने वर्षों की प्रतीक्षा और बड़े संघर्ष कर बनाया वहां दान चोरी जैसी घटनाओं से उन्हें आघात पहुंचा है सवाल यही है कि क्या भक्तों का विश्वास पुनः इस बात को लेकर बहाल हो जाएगा कि फिर से इस तरह की कोई घटना अस्तित्व में न आये।

> राम मंदिर को करोड़ों श्रद्धालुओं ने वर्षों की प्रतीक्षा और बड़े संघर्ष कर बनाया वहां दान चोरी जैसी घटनाओं से उन्हें आघात पहुंचा है सवाल यही है कि क्या भक्तों का विश्वास पुनः इस बात को लेकर बहाल हो जाएगा कि फिर से इस तरह की कोई घटना अस्तित्व में न आये।

अजय राय के आरोप

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद अग्निवीर योजना भाजपा और उत्तर प्रदेश की राजनीति से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि ट्रस्ट से जुड़े हालिया घटनाक्रम के बाद लोगों का विश्वास प्रभावित हुआ है। संबंधित पदाधिकारी का इस्तीफा स्वीकार किया जाना इस बात का संकेत है कि मामले में गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में कई लोग शामिल हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अजय राय ने कहा है कि हमारी पार्टी को मौजूदा ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर भरोसा नहीं है। हमारी मांग है कि राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर नई व्यवस्था बनाई जाए जिसमें चारों पीठों के शंकराचार्यों, प्रमुख धर्माचार्यों और अयोध्या के स्थानीय प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। इससे श्रद्धालुओं का विश्वास दोबारा स्थापित हो सकेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर से जुड़े मामलों में व्यापक स्तर पर जांच कराई जाए तो कई अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि केवल चढ़ावे ही नहीं बल्कि जमीन से जुड़े मामलों की भी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

> "कृष्ण मोहन का ट्रस्ट का नया कार्यवाहक महासचिव बनाया गया है।"

चंपत राय

अनिल मिश्रा

आज से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी कांग्रेस

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस आज से भाजपा और आरएसएस के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बयान जारी करते हुए बताया है कि राम भक्तों ने अयोध्या स्थित भगवान राम मंदिर में करोड़ों रुपए के साथ-साथ सोने-चांदी के आभूषण भी दान किए जिन्हें ट्रस्ट के जिम्मेदार लोगों ने लूट लिया। इस पूरी लूट के लिए भाजपा तथा आरएसएस जिम्मेदार है।

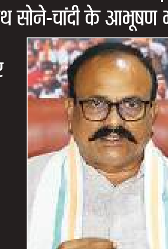

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सिर्फ पैसे या दान की चोरी नहीं है बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ भगवान श्रीराम के नाम पर की गई डकैती है। इस पूरे प्रकरण पर कांग्रेस आंदोलन करेगी और इसकी औपचारिक शुरुआत आज से नासिक के ऐतिहासिक कालाराम मंदिर से होगी। इसके बाद 9 से 14 जुलाई तक राज्य के सभी जिलों में रघुपति राघव राजा राम सत्याग्रह आयोजित किया जाएगा। जिला मुख्यालयों में स्थित राम शिव या हनुमान मंदिरों में यह सत्याग्रह किया जाएगा। कांग्रेस का ऐलान शिवसेना यूबीटी के 5 जुलाई को शुरू किए गए राज्यव्यापी राम रक्षा आंदोलन के एक दिन बाद आया है। शिवसेना यूबीटी ने भी अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे के गबन के विरोध में आंदोलन शुरू किया है।

डबल-इंजन सरकार में जारी है टकराव : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- भाजपा में सत्ता के लिए संघर्ष चल रहा है उन्हें लोगों की आस्था या श्रद्धा की कोई परवाह नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी के आरोपों को लेकर तीखा हमला बोला है। अखिलेश ने कहा डबल-इंजन सरकार (यूपी और केंद्र में) मिलकर काम नहीं कर रही है बल्कि उनके बीच टकराव है। सत्ता के लिए संघर्ष चल रहा है और उन्हें लोगों की आस्था या श्रद्धा की कोई परवाह नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा अगर यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई या आयकर विभाग का होता, तो इसकी जांच दिल्ली में होती। दिल्ली के इस पर कुछ करने से पहले ही लखनऊ ने इसकी कमान संभाल ली। यह स्थिति सत्ता के संघर्ष का नतीजा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राम मंदिर चंदे में चोरी के मामले को लेकर लगातार बीजेपी पर निशाना साध रहे हैं। वे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए इस मौके का फायदा उठाना चाहते हैं।

उन्होंने दावा किया कि इस घटना ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकारों के बीच के मतभेदों को उजागर कर दिया है। अखिलेश ने कहा कि लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़े इस विवाद को सुलझाने के बजाय, बीजेपी का ध्यान अपनी अंदरूनी गुटबाजी पर ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कि केंद्र सरकार इस मामले पर कोई कदम उठाती, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से जांच के आदेश दे दिए, जो उनके बीच के मतभेदों को ही दिखाता है।

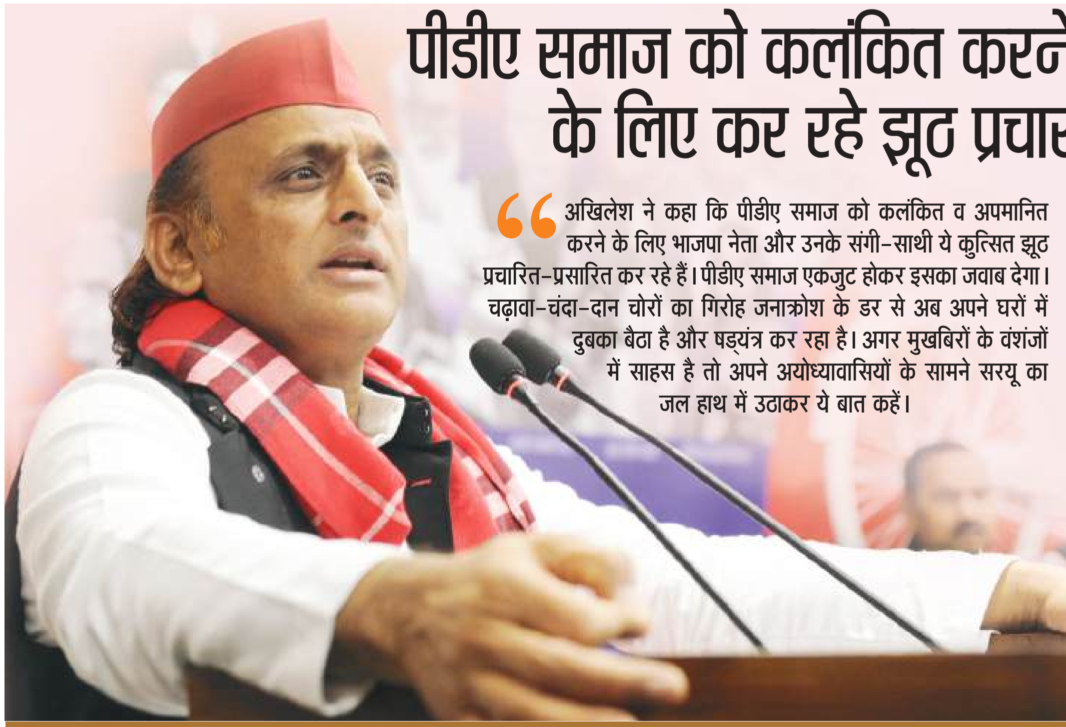

पीडीए समाज को कलंकित करने के लिए कर रहे झूठ प्रचार

"अखिलेश ने कहा कि पीडीए समाज को कलंकित व अपमानित करने के लिए भाजपा नेता और उनके संगी-साथी ये कुत्सित झूठ प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं। पीडीए समाज एकजुट होकर इसका जवाब देगा। चढ़ावा-चंदा-दान चोरों का गिरोह जनाक्रोश के डर से अब अपने घरों में दुबका बैठा है और षड्यंत्र कर रहा है। अगर मुखबिरों के वंशजों में साहस है तो अपने अयोध्यावासियों के सामने सरयू का जल हाथ में उठाकर ये बात कहें।

सपा प्रमुख ने निशिकांत दुबे को दी चुनौती, एफआईआर कराने की चेतावनी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंदा चोरी में फंसे रामशंकर उर्फ टिन्नू यादव से उनकी फोन पर बातचीत को झूठ बताया है। साथ ही सोशल मीडिया के जरिये इस बारे में सोशल मीडिया पर लिखने वाले झारखंड से भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे समेत सभी लोगों पर एफआईआर कराने की चेतावनी दी है।डॉ. निशिकांत दुबे ने टिन्नू से अखिलेश की बातचीत का दावा करने वाली एक पोस्ट को एक्स पर रिपोस्ट करते हुए लिखा-टिन्नू टीपू से ही तो बात कर रहा था? इस पर अखिलेश ने एक्स पर ही जवाब दिया कि जितना सत्ता पक्ष के सांसद का विशेषाधिकार होता है, उतना ही विशेषाधिकार विपक्ष के सांसद का भी होता है। पुरुषोत्तम प्रभु राम जी मर्यादा एवं सामाजिक शालीनता, सभ्यता और संसदीय परंपरा का मान रखते हुए हम भाजपा के सांसद को 10 मिनट का समय देते हैं कि वो इस झूठे ट्वीट-पोस्ट को डिलीट कर दें अन्यथा उनके खिलाफ़ तत्काल नामज़द रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। साथ ही ये चेतावनी उन सबको भी है जिन्होंने ये झूठ फैलाया है। वे भी सोशल मीडिया पर तुरंत डिलीट करें और सार्वजनिक माफी मांगे या कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। वे याद रखें कि भाजपा के नेता किसी के सगे नहीं हैं। जब सालों-साल कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ेंगे तो कोई संगी-साथी भी बचाने नहीं आएगा। जो भगवान के नहीं हुए वो इंसान के क्या होंगे।

बीजेपी 27 के विधानसभा चुनावों में कई निर्वाचन क्षेत्रों में अपने कई नेताओं को बदल देगी

अखिलेश की पार्टी 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हार गई थी और तब से सत्ता से बाहर है। हालांकि, 24 के लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटें जीतने के बाद, समाजवादी पार्टी राज्य में वापसी की उम्मीद कर रही है। अखिलेश ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी 27 के विधानसभा चुनावों में कई निर्वाचन क्षेत्रों में अपने कई नेताओं को बदल देगी।

राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर को कमजोर कर दिया

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बीजेपी ने राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर को कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा मैंने आज अखबारों में पढ़ा कि उत्तर प्रदेश में सबसे ज़्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज बंद हुए हैं। मुख्यमंत्री खुद नहीं समझते कि इंजीनियरिंग क्या है। लखनऊ में 7000 करोड़ रुपये के ग्रीन कॉरिडोर को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि लोगों को यात्रा के दौरान बार-बार रुकना पड़ेगा।

बाबू जगजीवन राम के आदर्श आज भी प्रेरणास्रोत : पुनिया

» कांग्रेस ने पूर्व उप प्रधानमंत्री को पुण्य तिथि पर किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री, स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर समाज सुधारक एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मौजूद सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद श्री पी.एल. पुनिया ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का संपूर्ण जीवन सामाजिक समानता, संवैधानिक मूल्यों और वंचित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जाए तथा सामाजिक न्याय और लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जाए।पुण्य तिथि के

मौके पर पूर्व मंत्रीमोईद अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि बाबू जगजीवन राम ने अपने संघर्ष, कर्म और नेतृत्व से भारतीय राजनीति में अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और समान अवसर दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया। उनका जीवन आने वाली पी?यों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव संविधान, सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और बाबू जगजीवन राम के बताए मार्ग पर चलते हुए देशहित एवं जनहित के लिए संघर्ष जारी रखेगी। इस अवसर पर पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया, पूर्व मंत्री मोईद अहमद के अलावा प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, विचार विभाग के चेयरमैन एच0एल0 दुसाध, उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र यादव, रमेश मिश्रा, संजय शर्मा, जिलाध्यक्ष श्री रूद्र दमन सिंह बबलू, शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, ललन कुमार, श्रीमती अनामिका यादव, डा0 लालती देवी, अनीस अंसारी, श्री संजय सिंह, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने झोंकी ताकत

» कई दलों के नेताओं ने भी थामा हाथ

» पूर्व राज्य मंत्री अशोक गौतम की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बसपा अपनी ताकत बढ़ाने के लिए पूरी मेहनत में जुट गई है। पार्टी पुराने नेताओं को वापस लाने में जुटी है। पूर्व राज्य मंत्री अशोक गौतम की वापसी हुई है। साथ ही कई दलों के नेताओं ने भी बसपा का हाथ थामा है। इन्हें लखनऊ का मुख्य मंडल प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा बुलंदशहर के मुकेश पंडित समेत कई दलों के नेता बसपा का हिस्सा बने हैं। नोएडा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सतवीर नागर को भी पार्टी में वापस लेकर मेरठ मंडल का जोनल प्रभारी बनाया गया है।

आजाद समाज पार्टी के नेता आगरा के महेश चंद्रा ने भी बसपा की सदस्यता ग्रहण की है। वहीं, मऊ के मोहम्मदाबाद में कार्यकर्ता सम्मेलन में जेके आजाद को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस मंडल में पूर्व के चुनावों में बसपा का खासा प्रभाव रहा है। इसी रणनीति के तहत बसपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन कर अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने की कवायद में जुटी है। बसपा द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिये प्रत्याशियों की घोषणा करना अन्य दलों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। इन सम्मेलनों में उमड़ने वाली भीड़ के सामने प्रत्याशी का नाम घोषित करने से कार्यकर्ताओं का भरोसा भी मजबूत हो रहा है। जल्द ही बसपा सहारनपुर और सुल्तानपुर में भी कार्यकर्ता सम्मेलन करने जा रही है जिसमें कई प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करने की तैयारी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

राजद ने जनसुराज को दिया करारा झटका

» बांकीपुर रेखा कुमारी को उम्मीदवार बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए रेखा कुमारी गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित किया। इसकी के साथ राजद ने जनसुराज पार्टी को झटका दे दिया है। यह उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी के नेता नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने और इस सीट से इस्तीफा देने के बाद ज़रूरी हो गया था।

राजद की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि गुप्ता बांकीपुर उपचुनाव के लिए महागठबंधन की उम्मीदवार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले विधानसभा

चुनावों में भी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। मंडल ने कहा रेखा कुमारी उर्फ रेखा गुप्ता ने नवंबर 025 के चुनावों में इस सीट से चुनाव लड़ा था और उन्हें लगभग 47,००० वोट मिले थे। अब, जब बीजेपी नेता नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई है, तो हमने उन्हें फिर से मैदान में उतारने का फैसला किया है। राजद की इस घोषणा से उन अटकलों पर विराम लग गया है कि इंडिया गठबंधन उपचुनाव के लिए जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का समर्थन करने पर विचार कर सकता है। इससे पहले, एक कांग्रेस नेता ने प्रस्ताव दिया था कि किशोर को विपक्ष का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए, लेकिन राजद ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

पार्टी ने कहा कि वह बांकीपुर में उपचुनाव लड़ेगी, जो भाजपा का गढ़ रहा है। मंडल ने कहा हमने कांग्रेस नेतृत्व से ऐसी कोई बात नहीं सुनी है। आप निश्चिंत रहें कि रेखा गुप्ता की उम्मीदवारी को हमारे सभी सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है। हमने ऐसी किसी सीट पर दावा नहीं किया है जहां हमारे सहयोगी मुकाबले में थे। पिछली बार ऋछ्ष्ठ ने बांकीपुर से चुनाव लड़ा था। इसलिए, हम फिर से मैदान में उतर रहे हैं।

डीएमके सरकार की पूर्व मंत्री गिरफ्तार तमिलनाडु में सियासी रार

स्टालिन ने सीएम विजय को निशाने पर लिया

गिरफ्तारी के बाद थूथुकुडी जिले में डीएमके कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

- मानहानि मामले में गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु में बवाल
- टीवीके सरकार पर डीएमके का प्रहार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके सरकार की पूर्व मंत्री अनीता राधाकृष्णन की मानहानि मामले में गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु में सियासी बवाल मच गया है। इस मामले में डीएमएक टीवीके सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। पूर्व सीएम स्टालिन ने इसको लेर सीएम विजय को निशाने पर लिया है। यह मामला 20 जून को थूथुकुडी जिले के अटूर में आयोजित एक जनसभा के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ राधाकृष्णन द्वारा की गई कथित मानहानिपूर्ण टिप्पणियों से जुड़ा है।

इस गिरफ्तारी के बाद थूथुकुडी जिले में डीएमके कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार पर विपक्ष को निशाना बनाने का आरोप लगाया। मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस जीके इलानथिरायण ने पूर्व मंत्री की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिससे पुलिस के लिए उनकी गिरफ्तारी की कार्रवाई आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया। याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि 1967 से तमिलनाडु में फिल्म इंडस्ट्री के नेताओं का शासन रहा है और कोर्ट ने उस भाषण के स्वरूप पर सवाल उठाए जो कथित तौर पर राधाकृष्णन ने एक जनसभा में दिया था। स्टालिन ने सरकार पर विपक्ष को निशाना बनाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने और गंभीर अपराधों के मामलों में निष्क्रियता बरतने का आरोप लगाते हुए पुलिस राज का दावा किया। यह

गिरफ्तारी के बाद विरोध-प्रदर्शन

गिरफ्तारी के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद DMK कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ नारे लगाए और सड़क जाम कर दी, जिससे कुछ समय के लिए अथूर इलाके में ट्रैफिक बाधित रहा। स्थिति को नियंत्रित करने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

फिल्मी एक्शन स्टाइल में पुलिस राज चलाने का आरोप

स्टालिन ने मुख्यमंत्री पर फिल्मी एक्शन स्टाइल में पुलिस राज चलाने का आरोप लगाया और सरकार के चुनिंदा रवैये की आलोचना की। उन्होंने राधाकृष्णन के खिलाफ की गई तेज कार्रवाई की तुलना श्रीवैकुंटम के टीवीके विधायक पर गैंगरेप का आरोप लगाने वाली महिला की शिकायत पर कोई कार्रवाई न होने से की। स्टालिन ने पूछा, प्योर पावर प्रशासन—जिसने श्रीवैकुंटम के टीवीके विधायक के खिलाफ गैंगरेप पीड़िता की शिकायत पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है—उस मामले में वैसी तेजी दिखाने में क्यों नाकाम रहा? क्या यह उस सरकार का बदलाव है जो पूरे तमिलनाडु में हत्याओं, डकैतियों और महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने में नाकाम रही है, लेकिन दूसरी पार्टियों के विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करने में व्यस्त है?

निरीक्षण के दौरान गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार, राधाकृष्णन तिरुचेंदुर विधानसभा क्षेत्र में आने वाली अथूर टाउन पंचायत में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने गए थे। इस दौरे के दौरान, उन्होंने टाउन पंचायत कार्यालय और हाल ही में बनी ऑफिस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण पूरा करके जैसे ही वे बाहर निकले, पुलिस ने उन्हें रोका, उनकी गाड़ी से बाहर निकाला और हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें मामले से जुड़ी पूछताछ के लिए पुलिस अधीक्षक के कार्यालय ले जाया गया।

गिरफ्तारी मद्रास हाई कोर्ट द्वारा राधाकृष्णन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद हुई, जिससे तमिलनाडु में राजनीतिक घमासान तेज हो गया है।

टीवीके सरकार विपक्ष को कर रही टारगेट पुलिस का दुरुपयोग जारी : स्टालिन

डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की है। उन्होंने पूर्व मंत्री अनीता आर. राधाकृष्णन की गिरफ्तारी को लेकर सरकार पर आरोप लगाया कि वह ज्यादा गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करके विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, स्टालिन ने गिरफ्तारी की जल्दबाजी पर सवाल उठाया और कहा कि राधाकृष्णन को तब हिरासत में लिया गया जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि टेक डायवर्जन सरकार ने पूर्व मंत्री अनीता राधाकृष्णन को इस आरोप में गिरफ्तार किया है कि उन्होंने निरीक्षण कार्य के दौरान मुख्यमंत्री की बदनामी की। जो व्यक्ति जनसेवा में लगा हो और अपने निर्वाचन क्षेत्र में कार्यों का निरीक्षण कर रहा हो, उसे गिरफ्तार करने की क्या जल्दबाजी थी?

पंजाब कांग्रेस में बगावत! रंधावा व चन्नी में मतभेद

राजा वड़िंग के खिलाफ चन्नी गुट ने खोला मोर्चा

- रंधावा की शाह से मुलाकात, पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही आप
- मनीष तिवारी भी दिखे नाराज
- वड़िंग के खिलाफ खुली जंग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में विधान सभा चुनाव आने वाले हैं। आप सरकार फिर सत्ता में बरकारा रखने के लिए लोगों को लोकलुभावन योजनाओं से अपनी ओर बनाए रखना चाहती हैं। वहीं निकाय चुनाव में आप को कड़ी टक्कर देने वाली कांग्रेस में अंदरुनी कलह खत्म नहीं हो रही है। पहले मनीष तिवारी उसके बाद पूर्व चन्नी के बगावती सुर से पार्टी को असमंजस में डाल दिया है जबकि हाल ही में सभी नेता शीर्ष नेतृत्व से मिले थे।

कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल के बाद शुरू हुई अंदरूनी खींचतान अब खुली शक्ति-परीक्षा में बदलती नजर आ रही है। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को लेकर असंतोष अब बंद कमरों से बाहर आ चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के मोरिंडा स्थित आवास पर लगातार दूसरे दिन नेताओं का जमावड़ा लगा, जहां पार्टी नेतृत्व और खासकर राजा वड़िंग की कार्यशैली पर खुलकर सवाल उठे। पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि पंजाब कांग्रेस के भीतर अब लड़ाई सिर्फ पदों की नहीं, बल्कि 2027 के सत्ता चेहरे की है। चन्नी को कांग्रेस कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाए जाने के बाद उनके आवास पर समर्थक नेताओं का पहुंचना अपने आप में बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है।

तरसेम सिंह डीसी ने राजा वड़िंग को निशाने पर लिया

कांग्रेस नेता तरसेम सिंह डीसी ने सीधे राजा वड़िंग को निशाने पर लिया। राजा वड़िंग के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार नहीं बना सकती क्योंकि जनता उनका समर्थन नहीं करती। जनता चाहती थी कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बदला जाए। लोग चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब का अगला मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। यह बयान सिर्फ व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि चन्नी कैंप की रणनीतिक लाइन माना जा रहा है। राजा वड़िंग की स्वीकार्यता पर सवाल खड़े करो और चन्नी को विकल्प के रूप में स्थापित करो। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मौजूद कई नेताओं और पूर्व विधायकों ने भी दो टूक कहा कि राजा वड़िंग को संगठन की कमान नहीं दी जानी चाहिए थी। नेताओं का तर्क था कि 22 की हार और उसके बाद के राजनीतिक प्रदर्शन को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को बदलाव की उम्मीद थी। हालांकि, हाईकमान ने वही नेतृत्व बरकरार रखकर गलत संदेश दिया। एक वरिष्ठ नेता ने यहां तक कहा कि यदि पार्टी मौजूदा ढांचे के साथ आगे बढ़ती रही तो जमीनी स्तर पर कांग्रेस की वापसी मुश्किल हो सकती है।

मनीष तिवारी की नाराजगी

इस सियासी हलचल के बीच चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी की नाराजगी ने आग में घी डालने का काम किया है। चुनावी समितियों से बाहर किए जाने के बाद तिवारी ने सोशल मीडिया पर लिखा, काश, व्यक्तियों और संस्थाओं की असुरक्षा का भी कोई इलाज होता। कांग्रेस ने मुझे 45 वर्षों में बहुत कुछ दिया है और मैंने अपना पूरा वयस्क जीवन पार्टी को समर्पित किया है। तिवारी का यह बयान कांग्रेस हाईकमान के फैसलों पर अप्रत्यक्ष लेकिन तीखा हमला माना जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रभावी जल प्रबंधन से दूर होगा संकट

> हर साल 4 करोड़ लोगों की मौत डायरिया से होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि इसने सार्वजनिक संकट का रूप ले लिया है। पानी जीवन की बुनियादी जरूरत है। लेकिन हालात सबूत हैं कि साफ पानी दुनिया के करोड़ों लोगों के लिए आज भी सपना है।

भारत में मानसून कुछ लेट हो गया है। कुछ इलाकों में सूखे जैसे हालात हो गए हैं। हालांकि कुछ जगहों पर बारिश तेज हो रही है और पानी लबालब कर रहा है। अब सूखे को लेकर प्रभावी जल प्रबंधन और जनभागीदारी से ही स्थायी समाधान संभव निकालने की चर्चा आम हो गई है। भारत में भी सुरक्षित पेयजल बड़ी चुनौती है। भूजल का अत्यधिक दोहन और औद्योगिक अपशिष्ट तथा रासायनिक प्रदूषण के कारण कई क्षेत्रों में फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे हानिकारक तत्व खतरनाक स्तर तक पहुंच चुके हैं। जल ही जीवन है और यह शाश्वत सत्य भी है। सनातन परंपरा में जल को पवित्र माना गया है। कोई भी धार्मिक अनुष्ठान बिना जल के पूर्ण नहीं माना जाता। गंगा को मोक्षदायिनी कहा गया है, लेकिन आज गंगा जल की वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक है। सरकारी दावों के बावजूद गंगा का जल इतना प्रदूषित हो चुका है कि वह आचमन योग्य भी नहीं रह गया। कैग की रिपोर्ट भी बताती है कि गंगा अपने उद्गम राज्य उत्तराखंड में ही प्रदूषण की मार झेल रही है। यदि गंगा जैसी पवित्र नदी का यह हाल है, तो सामान्य पेयजल की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में लगभग 220 करोड़ लोग दूषित पेयजल का उपयोग करने को मजबूर हैं। देखा जाए तो दुनियाभर में 170 करोड़ से अधिक लोग ऐसे स्रोतों से लेकर पानी पी रहे हैं जो मानव मल या पशु मल से दूषित हैं। दुनिया में 10.6 करोड़ लोग सतही जलस्रोतों पर निर्भर हैं। प्रदूषित पानी पीने से हर साल दुनियाभर में 35 लाख से ज्यादा लोग हैजा, पेचिश, डायरिया, टायफायड, यकृत विकार, गुर्दे, हार्मोनल असंतुलन आदि जानलेवा बीमारियों की चपेट में आकर मौत के मुंह में चले जाते हैं। देश में साठ करोड़ लोगों को पीने का साफ पानी मयस्सर नहीं है। नीति आयोग भी इसे स्वीकारता है। हर साल 4 करोड़ लोगों की मौत डायरिया से होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि इसने सार्वजनिक संकट का रूप ले लिया है। पानी जीवन की बुनियादी जरूरत है। लेकिन हालात सबूत हैं कि साफ पानी दुनिया के करोड़ों लोगों के लिए आज भी सपना है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि भारत सहित कई देशों में सल्फेट युक्तभूजल गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय बन चुका है। भारत में भूजल में यूरेनियम की मौजूदगी का खुलासा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) ने किया है। बार्क ने बताया कि देश के 98 फीसदी सतही और भूजल नमूनों में यूरेनियम के अंश मिले हैं, हालांकि इनका स्तर स्वास्थ्य के लिए फिलहाल खतरनाक नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 83 फीसदी से अधिक नमूनों में सल्फेट, क्लोराइड, नाइट्रेट, फ्लोराइड, टोटल डिसॉल्व्ड सॉलिड्स, क्षारीयता और कठोरता निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है।

कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है।

आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन

विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है। वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा।

इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है। ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं ।

डॉ. कृष्ण कुमार रद्दू

संघर्षों से निखरी एक बुलंद आवाज का खामोश होना

> तीजन बाई का कार्यक्रम केवल गायन नहीं होता था वह एक जीवंत अनुभव होता था। वे जैसे ही तंबूरा हाथ में लेकर मंच पर आतीं, वातावरण बदल जाता। कुछ ही क्षणों में वे स्वयं भीम बन जातीं। अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती।

पंडवानी को लोकनृत्य एवं लोकशैली में अमर कर देने वाली महान गायिका तीजन बाई अब हमारे बीच नहीं रही हैं। तीजन बाई ने अपने अदम्य संघर्ष से अपनी पहचान बनाई। कुछ आवाजें पीढ़ियों की स्मृतियों में घर कर जाती हैं। वे कालांतर में लोकजीवन की चेतना का हिस्सा बन जाती हैं। ऐसा लगता है जैसे छत्तीसगढ़ की धरती पर सदियों से गूंजती महाभारत की कथा आज अचानक ठहर-सी गई हो। लेकिन तीजन अब अपनी आवाज, अपने अभिनय और अपने संघर्ष की प्रेरक गाथा में सदैव जीवित रहेंगी। लोक-संस्कृति का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, तीजन बाई का नाम केवल एक लोकगायिका के रूप में नहीं, बल्कि उस स्त्री के रूप में दर्ज होगा, जिसने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता और साधना का कोई विकल्प नहीं होता।

तीजन बाई ने महाभारत के प्रसंगों में भारतीय सभ्यता की संस्कृति को जिया। मंच पर उनके संवादों में जो चमक थी वह सचमुच सीधे हृदय में पहुंचती थी। उनकी इस अदायगी को मंच से दूरदर्शन के लिए रिकॉर्ड करते हुए लगता था कि यह एक अद्भुत पल है। जिस बिंदास अंदाज में वह पंडवानी को गाती थीं वह उनके लिए ही संभव है। वह एक बिंदास और जीवट वाली महिला थी, जिसने अपने संघर्ष की शर्तों पर जीवन को जिया। वह कहती थी जियो तो अपने से जियो, गांव के गंवारपन में खुले मन से जियो और यही जीने का एक तरीका है। पारिवारिक परंपरा में तीजन ने 13 साल की उम्र में पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया था। भिलाई के समीप गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई के पिता हुनुकलाल परधा और माता सुखवती थीं। बचपन में वे अपने नाना ब्रजलाल से महाभारत की कथाएं सुनती थीं। यही संस्कार आगे चलकर उनके जीवन का आधार बने।

उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उमेद सिंह देशमुख ने उन्हें मार्गदर्शन दिया। तीजन का बचपन अभावों में बीता। बचपन का अधिकांश समय श्रम, संघर्ष और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच बीता। किंतु इन्हीं कठिन परिस्थितियों में उनके भीतर लोककला का बीज अंकुरित हुआ। उनके नाना महाभारत और पंडवानी की कथाएं गाया करते थे। छोटी-सी तीजन मंत्रमुग्ध होकर उन्हें सुनतीं। वे हर पात्र को अपने भीतर जीने लगती थीं। शायद उसी समय नियति ने तय कर लिया था कि वह एक दिन स्वयं महाभारत की जीवित आवाज बनेंगी। उस दौर में पंडवानी की 'कापालिक शैली', जिसमें कलाकार खड़े होकर अभिनय के साथ कथा प्रस्तुत करता है, लगभग पूरी तरह पुरुषों का क्षेत्र मानी जाती थी। महिलाओं को सीमित भूमिका दी जाती थी।

लेकिन तीजन बाई ने परंपरा की इस दीवार को तोड़ दिया। उस समय तीजन बाई के लिए यह साहस आसान नहीं था। उन्हें समाज की आलोचना झेलनी पड़ी। रूढ़िवादी सोच ने उनका विरोध किया। लेकिन जिन लोगों के भीतर कला की साधना होती है, वे अपमान को भी अपनी शक्ति बना लेते हैं। तीजन की यात्रा किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। छोटे-छोटे गांवों की चौपालों से लेकर मेलों तक, फिर जिला स्तरीय आयोजनों से राष्ट्रीय मंचों तक और वहां से दुनिया के बड़े-बड़े सांस्कृतिक समारोहों तक-हर पड़ाव उन्होंने अपनी मेहनत से अर्जित किया। उनके पास न कोई बड़ा गुरु-तंत्र था, न संसाधन, न प्रचार। उनके पास केवल एक सशक्त आवाज, अद्भुत स्मरणशक्ति, मंच पर अभिनय की विलक्षण क्षमता और अपनी लोकपरंपरा के प्रति अटूट आस्था थी। तीजन बाई का कार्यक्रम केवल गायन नहीं होता था वह एक जीवंत अनुभव होता था। वे जैसे ही तंबूरा हाथ में लेकर मंच पर आतीं, वातावरण बदल जाता।

कुछ ही क्षणों में वे स्वयं भीम बन जातीं। अगले ही पल अर्जुन की मुद्रा में दिखाई देतीं। फिर द्रौपदी की पीड़ा उनके चेहरे पर उतर आती और कुछ ही क्षणों बाद श्रीकृष्ण की मुस्कान और नीति उनके स्वर में गूंज उठती। उनका तंबूरा कभी गदा बन जाता, कभी धनुष और कभी युद्ध का प्रतीक। दर्शक भूल जाते कि वे किसी कलाकार को देख रहे हैं; उन्हें लगता कि स्वयं महाभारत उनके सामने घटित हो रहा है। धीरे-धीरे देश की सांस्कृतिक संस्थाओं ने उन्हें अपनाया और फिर अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वार खुलते चले गए। उनकी साधना को देश ने सर्वोच्च सम्मान दिए। पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए गौरव की बात है। लेकिन इन सम्मानों से कहीं अधिक बड़ा सम्मान उन्हें जनता ने दिया। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज अब भी हवा में तैर रही है। लगता है जैसे कहीं दूर से फिर वही स्वर सुनाई दे रहा हो-महाभारत का कोई प्रसंग, भीम की हुंकार, कृष्ण की वाणी और लोकजीवन की अनंत धड़कन।

आम पना पीने के हैं फायदे अनेक

शरीर को रखेगा ठंडा

घर का बना ताजा आम पना पिएं। जो शरीर को ठंडक पहुंचाता है और लू से बचाने में मदद करता है। कच्चे आम की तासीर ठंडी होती है। जब इसे पुदीना और जीरे के साथ मिलाया जाता है, तो यह शरीर के आंतरिक तापमान को संतुलित करता है और हीट स्ट्रोक (लू) से बचाता है। दोपहर के समय सेवन करना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। रोजाना 1-2 गिलास से ज्यादा न पिएं। वहीं आम पना में अक्सर चीनी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। डायबिटीज मरीज बिना चीनी या कम मीठा आम पना ही पिएं और डॉक्टर की सलाह जरूर लें। वहीं पसीने के कारण शरीर से सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल्स कम हो जाते हैं। कच्चे आम में मौजूद पोषक तत्व इन इलेक्ट्रोलाइट्स के स्तर को दोबारा रीस्टोर करते हैं।

डिहाइड्रेशन में राहत

आम पन्ना गर्मियों में डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) से बचाने के लिए एक रामबाण प्राकृतिक पेय है। जब तेज धूप और पसीने के कारण शरीर से पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं, तो आम पन्ना उनकी तुरंत पूर्ति कर शरीर को अंदर से ठंडा और ऊर्जावान बनाए रखता है। तेज धूप से त्वचा में आने वाले रूखेपन को यह अंदरूनी हाइड्रेशन देकर ठीक करता है, जिससे त्वचा चमकदार और स्वस्थ रहती है। धूप के कारण होने वाली थकान, चक्कर और कमजोरी को इसमें मौजूद प्राकृतिक शुगर या गुड़ तुरंत दूर करते हैं।

पाचन तंत्र को करे बेहतर

पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में सहायक होता है। लेकिन कच्चे आम और मसालों की वजह से कुछ लोगों को पेट में जलन, गैस या एसिडिटी की परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए ऐसे लोग कम मात्रा में और हल्का आम पना ही लें। जरूरत से ज्यादा आम पन्ना पीने से पेट दर्द, दस्त या अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। किसी भी ठंडे पेय का सीमित मात्रा में सेवन करना ही शरीर के लिए सही माना जाता है। कम चीनी और हल्के मसालों का इस्तेमाल करें।

इम्यूनिटी करे मजबूत

विटामिन सी इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। आम पना में काला नमक और मसाले डाले जाते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर या किडनी मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे लोगों को डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करना चाहिए। वहीं बाजार में मिलने वाले पैकेट ड्रिंक्स में प्रिजर्वेटिव्स, आर्टिफिशियल फ्लेवर और ज्यादा शुगर हो सकती है। नियमित सेवन से यह वजन बढ़ाने और सेहत खराब करने का कारण बन सकता है। सबसे पहले आम को पानी से धो लें। इसके बाद कच्चे आम को कूकर में डालें। इसमें थोड़ा सा पानी भी डाल दें। लगभग आधा गिलास। अब दो सीटी लगाने के बाद गैस बंद कर दें। अब आम को ठंडा होने रख दें। ठंडा होने पर आम का छिलका उतारें और उसे मैश कर लें। मैश करने के बाद अब इसमें आधा गिलास से भी कम पानी मिलाएं। इसके बाद पुदीने की पत्ती पीसकर इसमें डालें। इसके बाद भुना जीरा पीसकर, तीन-चार चम्मच चीनी और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। आपका आम पना एकदम तैयार है।

गर्मियों के मौसम में आम पना को सबसे पसंदीदा और पारंपरिक ड्रिंक माना जाता है। कच्चे आम से तैयार यह ठंडा पेय शरीर को गर्मी और लू से बचाने में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन सी, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को हाइड्रेट रखने का काम करते हैं। हालांकि कई लोग बिना अपनी हेल्थ कंडीशन को समझे इसका ज्यादा सेवन करने लगते हैं, जिससे फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ शिकायत रहती है, तो आम पना पीने से पहले सावधानी बरतना जरूरी है। कई बार इसमें ज्यादा चीनी और मसालों का इस्तेमाल स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए जरूरी है कि आम पना के फायदे और नुकसान दोनों को समझकर ही इसका सेवन किया जाए, ताकि गर्मियों में सेहत भी बनी रहे और स्वाद का मजा भी मिलता रहे।

हंसना मना है

पापा- नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा- मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

एक लेखक महोदय कोई सभा में भाषण दे रहे थे-'अजीब इतफाक है कि जिस दिन प्रेमचंद जी का निधन हुआ, उसी दिन मेरा जन्म हुआ। देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए बड़े दुर्भाग्य का दिन था' एक श्रोता ने अधूरा वाक्य पूरा किया।

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या कसीदाकारी करानी है।

डॉक्टर- जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? पेशंट- पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ- सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबंड- तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फूल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

कहानी | धैर्य से काम लेने में ही समझदारी है

बात उस समय की है जब महात्मा बुद्ध विश्वभर में भ्रमण करते हुए बौद्ध धर्म का प्रचार कर रहे थे और लोगों को ज्ञान दे रहे थे। एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करते थे सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफी देर हो गयी थी। बुद्ध जी को काफी प्यास लगी थी। उन्होंने अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव में अंदर गया तो उसने देखा वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे कुछ लोग नहा रहे थे तो नदी का पानी काफी गंदा सा दिख रहा था। शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा, ये सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी इसीलिए उन्होंने फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा कि नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला की प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया। और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गयी और साफ पानी उपर आ गया। बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा ये जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है, लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देख कर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते वहीं दूसरी ओर कुछ लोग जो धैर्यशील होते हैं वो व्याकुल नहीं होते और कुछ समय बाद गंदगी रूपी समस्याएं और दुख खुद ही खत्म हो जाते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें।

कर्क

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे।

सिंह

मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी।

तुला

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। समय का सदुपयोग होगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा।

धनु

अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी।

मकर

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी।

कुम्भ

कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में रही हूं : आकांक्षा चमोली

आकांक्षा चमोला इन दिनों लॉकअप सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इस शो को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में एंट्री करने के साथ ही आकांक्षा ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया कि सबको तगड़ा झटका लगा। उन्होंने बताया था कि उनका और गौरव खन्ना का तलाक हो रहा है। अब निजी जिंदगी पर उन्होंने एक और हैरान करने वाली बात कही है। आकांक्षा चमोला लॉकअप 2 में एक के बाद एक बड़े खुलासे कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने शो में खुद को बाइसेक्सुअल बताया। उन्होंने स्पष्ट किया की गौरव खन्ना से शादी से पहले उनके लड़कियों के साथ रिलेशन रहे। आकांक्षा ने कहा, मैं शादी से पहले बायसेक्सुअल थी। मेरे कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहे हैं। बहुत ज्यादा इंटिमेट रिलेशन नहीं रहे हैं, लेकिन मैं कुछ लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में रही हूं। बस वही है। मुझे लड़कियां पसंद हैं। मैं लड़कियों की तरफ आकर्षित होती हूं। मुझे लगता है कि यही मेरा सेफ स्पेस है। आकांक्षा ने कहा कि उन्हें फेमिनिज्म वाली एनर्जी पसंद है। उन्होंने कहा,मुझे वह कंफर्ट पसंद है। आकांक्षा चमोला के इस खुलासे के बाद नेटिजंस की सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ लोग इस बात को उनका पब्लिसिटी स्टंट करार दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि शो में ट्रेंड रहने के लिए और टीआरपी के लिए यह सब ड्रामा है। बता दें कि आकांक्षा ने इसी शो में खुलासा किया था कि वे और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं। दोनों ने तलाक का फैसला लिया है। आकांक्षा ने यह भी कहा था कि वे और गौरव पिछले एक साल से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। वहीं, आकांक्षा के तलाक की बात कहने के बाद गौरव खन्ना ने इस पर रिएक्शन दिया था।

बड़े पर्दे पर पहली बार बनेगी अली फजल और ऋचा चड्ढा की जोड़ी

अली फजल और ऋचा चड्ढा पहली बार किसी फिल्म में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। यानी पहली बार ये रियल लाइफ जोड़ी बड़े पर्दे पर भी एक जोड़ी के रूप में नजर आएगी। हालांकि, दोनों ने पहले फुकरे फ्रैंचाइजी में साथ काम किया है, लेकिन स्क्रीन पर उन्हें कभी एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट नहीं किया गया। एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा की आने वाली फिल्म में कपल साथ नजर आएगा। कपल ने इसको लेकर अपना उत्साह भी जाहिर किया है।

अली और ऋचा आखिरकार पहली बार एक साथ एक बिना नाम वाली सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रहे हैं, जिसे सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस बना रहे हैं। इनके अलावा फिल्म में कुमुद मिश्रा भी नजर आएंगे।

दिल्ली की भागदौड़ भरी जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा डायरेक्ट करेंगे। शशि वर्मा पहले बाला, गुंजन सक्सेना और कटहल जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और उन्होंने AK47 और मुर्गा ट्रॉफी जैसी फिल्में लिखी हैं।

हालांकि, अभी फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। फिल्म की शूटिंग 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू होगी और इसे अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी कॉमेडी ईमानदार किरदारों और असल लगने वाली स्थितियों से बनती है। जैसे ही मैंने यह स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता चल गया कि इसमें कुछ खास है। ऋचा के साथ स्क्रीन पर एक बिल्कुल नया तालमेल आजमाना भी रोमांचक है।

मैं सच में उस चीज का इंतज़ार कर रहा हूं जो हम साथ मिलकर बनाएंगे। शशि सर के काम को मैं हमेशा से फॉलो करता रहा हूं और उनके साथ काम करना मेरी हमेशा से इच्छा रही है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का यह भी एक बड़ा कारण है।'

लॉकअप 2 में हुई भाभी जी की एंट्री

लॉकअप सीजन 2 में भरपूर ड्रामा देखने को मिल रहा है। प्रतिभागी अपनी जिंदगी से जुड़े नए-नए और दिलचस्प खुलासे कर रहे हैं। शो के इस ड्रामे में अब और भी तड़का लगने वाला है। शिल्पा शिंदे भी इस रियलिटी शो में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने पहली वाइल्डकार्ड प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया है। अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने रविवार को आधिकारिक तौर पर इस शो में एंट्री की। बता दें कि कुछ दिनों पहले शिल्पा शिंदे आत्मविश्वास से लबरेज दिखीं शिल्पा

लॉकअप 2 को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में खूब गरमागरम बहस, इमोशनल खुलासे हो रहे हैं। पहला एविक्शन हो चुका है। शिल्पा शिंदे के घर में पहली वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आने से, कॉम्पिटिशन के एक और ड्रामेटिक मोड़ लेने की उम्मीद है। मेकर्स ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक

प्रमोशनल वीडियो शेयर करके लॉकअप 2 में शिल्पा शिंदे की एंट्री की घोषणा की। क्लिप में वह कॉन्फिडेंस से कहती हैं, सुना है सब लोग अंदर अपनी-अपनी गाड़ी जमाए बैठे हैं। लेकिन उन्हें कह दो जब तक कोई बाहर का अंदर कदम नहीं रखता, तब तक ही उनका राज चलता रहेगा।

शिल्पा बोलीं- गेम पलटने वाला है

सामने आए वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, सही पकड़े हैं! अब गेम पटलने वाला है। बता दें कि भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट पर आने के बाद हुए विवाद के बाद शिल्पा की एंट्री हुई है। बातचीत के दौरान, उन्होंने टीवी शो भाबीजी घर पर हैं के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। बातचीत में शिल्पा शिंदे ने बताया था कि शो छोड़ने के बाद और बकाया पेमेंट को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें बहुत फंसा हुआ महसूस हो रहा था और उन्होंने इस कदम को आखिरी रास्ता बताया। शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनके बकाया पैसे मिल गए।

उन्होंने माना कि भाभीजी घर पर हैं! के प्रोड्यूसर पर उन्होंने झूठे आरोप लगाए और वह इसलिए लगाए थे ताकि उन पर लगे आरोपों से ध्यान हटाया जा सके और कानूनी जांच से बचा जा सके। उनके मुताबिक, उन पर लगाए गए आरोप एक सोची-समझी मुहिम का हिस्सा थे, जिसका मकसद उन्हें कंट्रोल करना और शो छोड़ने पर इंडस्ट्री में काम पाने से रोकना था। उनकी इन बातों पर जल्द ही काफी बहस छिड़ गई और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कई लोगों ने उनकी आलोचना की। बात करें, लॉकअप 2 की तो श्रेष्ठा अय्यर इस रियलिटी शो से बाहर होने वाली पहली कंटेस्टेंट बनीं। यह शो 27 जून को शुरू हुआ।

अजब-गजब | इस रहस्यमयी मस्जिद में होता है वैज्ञानिक चमत्कार

तेलंगाना : इस मस्जिद की एक मीनार हिलाने पर दूसरी में भी महसूस होता है कंपन

भारत का इतिहास अपने भीतर स्थापत्य और वास्तुकला के ऐसे कई अनसुलझे रहस्य समेटे हुए है जिन्हें देखकर आधुनिक विज्ञान भी पूरी तरह हैरान रह जाता है। ऐसा ही एक ऐतिहासिक और वैज्ञानिक चमत्कार तेलंगाना के करीमनगर जिले में स्थित एलगंदल किले के समीप आज भी देखने को मिलता है। यहाँ बनी सदियों पुरानी दो मीनार मस्जिद न केवल कुतुब शाही और आसफ जाही दौर के गौरवशाली इतिहास को बयां करती है बल्कि अपने भीतर प्राचीन इंजीनियरिंग का एक अनूठा और नायाब उदाहरण भी छुपाए हुए है। चारमीनार की तरह ही यह इमारत भी अपने दौर की बेहतरीन कारीगरी का एक जीवंत उदाहरण पेश करती है जिसे देखने देश-विदेश से लोग आते हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित यह प्राचीन मस्जिद प्रसिद्ध एलगंदल किले से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस मस्जिद की सबसे बड़ी मुख्य विशेषता इसकी दो भव्य और काफी ऊंची मीनारें हैं। मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला के अनुरूप निर्मित इन मीनारों के भीतर का हिस्सा बेहद संकरा और कलात्मक ढंग से तैयार किया

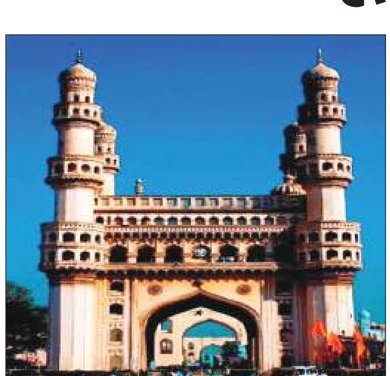

गया है। मीनार के शीर्ष तक पहुँचने के लिए पत्थरों को बेहद सटीकता से तराशकर चक्राकार यानी घुमावदार सीढ़ियाँ बनाई गई हैं। इन तंग रास्तों से गुजरते हुए जब कोई व्यक्ति ऊपर पहुँचता है, तो वहाँ बने खूबसूरत झरोखों से सामने पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक एलगंदल किला और आसपास का विहंगम प्राकृतिक दृश्य साफ दिखाई देता है।

हालाँकि, इस ऐतिहासिक इमारत की पहचान सिर्फ इसकी बाहरी खूबसूरती तक ही सीमित नहीं है। इन मीनारों को स्थानीय स्तर पर 'झूलती मीनारें' भी कहा जाता है। यह प्राचीन इंजीनियरिंग का ऐसा बेजोड़ और अकल्पनीय नमूना है कि यदि कोई व्यक्ति एक मीनार के ऊपरी हिस्से पर जाकर उसे हल्के से हिलाए, तो कुछ ही पलों में दूसरी मीनार में भी साफ तौर पर कंपन महसूस होने लगता है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि दोनों मीनारों को आपस में जोड़ने वाला मुख्य ढांचा इस दौरान पूरी तरह से स्थिर रहता है। मध्यकाल में भूकंपरोधी तकनीक के रूप में विकसित यह वैज्ञानिक समझ उस दौर के शिल्पकारों और इंजीनियरों की महान बुद्धिमत्ता को बखूबी दर्शाती है। काकतीय राजाओं से लेकर कुतुब शाही सुल्तानों और हैदराबाद के निजामों के उतार चढ़ाव भरे लंबे इतिहास की गवाह रही यह मस्जिद आज भी शोधकर्ताओं और इतिहास प्रेमियों के लिए गहरी दिलचस्पी और आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रशासन द्वारा इसे एक संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है ताकि आने वाली पीढ़ियां भारत की इस बेमिसाल ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध संस्कृति और प्राचीन वैज्ञानिक सूझबूझ से अच्छी तरह रूबरू हो सकें।

दुनिया का सबसे घिनौना ब्रेड! खाने दूर-दूर से आते हैं लोग, क्रीम में फेंटते हैं बाल

ईलैंड के पटाया शहर में एक बेकरी ने ऐसा क्रॉइसांट बनाया है जिसे देखकर लोगों के मुंह का स्वाद बिगड़ रहा है। इसे 'प्यूबिक हेयर क्रॉइसांट' का नाम दिया गया है क्योंकि ये देखने में बिल्कुल प्राइवेट पार्ट के बालों जैसा लगता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो और तस्वीरों में क्रॉइसांट के ऊपर क्रीम के साथ बालों जैसी चीजें बिखरी नजर आ रही है। लोग इसे देखकर हैरान और घिनौना दोनों महसूस कर रहे हैं। बेकरी के मालिक ने इसे जानबूझकर अजीबोगरीब तरीके से बनाया है। असल में ये 'बाल' सीवीड (समुद्री शैवाल) से तैयार किए गए हैं जो खाने में पूरी तरह सुरक्षित है। लेकिन दिखने में इतने रियलिस्टिक हैं कि पहली नजर में कोई भी इसे असली बाल समझ लेगा। क्रीम को खास तरीके से फेंटा जाता है और ऊपर ये सीवीड के टुकड़े इस तरह रखे जाते हैं कि पूरी डिश घिनौनी लगे। फिर भी लोगों में इसकी भारी डिमांड है। कई पर्यटक और लोकल लोग दूर-दूर से इस 'घिनौने' क्रॉइसांट को ट्राई करने आ रहे हैं। कुछ इसे मजाक में खा रहे हैं तो कुछ सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल करने के लिए। पटाया की यह बेकरी पहले से ही यूनिक और क्रिएटिव डिजाइन्स के लिए जानी जाती थी लेकिन इस बार उसने सनसनी मचा दी है। स्टॉम्प पटाया बेकरी के इस प्रोडक्ट ने हजारों शेयर और कमेंट्स पाए हैं। कुछ यूजर्स इसे क्रिएटिव मार्केटिंग बता रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि यह स्वाद से ज्यादा शॉक वैल्यू पर चल रहा है। थाईलैंड में स्ट्रीट फूड और अजीबोगरीब डिशेज की परंपरा रही है। यहां के लोग एडवेंचरस खाने के शौकीन हैं। लेकिन इस क्रॉइसांट ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। कई इन्फ्लुएंसर्स खास तौर पर पटाया पहुंचकर इसे ट्राई कर रहे हैं। बेकरी मालिक का कहना है कि यह सिर्फ एक फन और क्रिएटिव प्रोडक्ट है। सीवीड से बने 'बाल' खाने लायक हैं और कोई स्वास्थ्य जोखिम नहीं है। यह घटना मार्केटिंग की नई ट्रिक को भी दिखाती है। आजकल दुकानें सिर्फ स्वाद पर नहीं बल्कि वायरल होने वाली 'शॉक वैल्यू' पर भी ध्यान दे रही है। एक अजीब दिखने वाली डिश हजारों फॉलोअर्स और कस्टमर्स ला सकती है। पटाया की यह बेकरी इसका बेहतरीन उदाहरण है। कुछ लोग इसे बॉडी शेमिंग या घिनौना मानकर आलोचना कर रहे हैं। वे कहते हैं कि खाने की चीज को इस तरह पेश करना सही नहीं है।

पंजाब कांग्रेस की कलह पर विपक्ष का प्रहार

कांग्रेस का पलटवार, कहा- आप और भाजपा में कहां है लोकतंत्र

» विचारों में मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा : परगट सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में कांग्रेस की कल पर अब विपक्ष भी प्रहार करने लगा है। बीजेपी व आप की टिप्पणियों का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता परगट सिंह ने कि आप व भाजपा में लोकतंत्र कहा है। पूर्व मंत्री व हॉकी खिलाड़ी परगट सिंह नेपंजाब कांग्रेस में गुटबाजी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि विचारों में मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं और इन्हें आपसी बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि पार्टी में कोई गुट नहीं है और मीडिया नेताओं के बीच आम बातचीत को भी आपसी झगड़े के तौर पर दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि पहली बात तो यह है कि कोई गुट नहीं है। आजकल अगर कोई किसी के साथ चाय भी पीता है, तो उसे राजनीति का हिस्सा बना दिया जाता है और कहा जाता है कि यह गुटबाजी है। ऐसा कुछ नहीं है... विचारों में मतभेद होना लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है, जबकि भाजपा और आम आदमी पार्टी -आप में ऐसा नहीं है; उनके अनुसार, इन पार्टियों में नेता खुलकर असहमति नहीं जताते।

कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में ऐसा नहीं है। अगर आप भाजपा की बात करें, तो अमित शाह और मोदी की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता। मैं इसे लोकतंत्र नहीं मानता। आम आदमी पार्टी में केजरीवाल के बिना कोई कुछ नहीं बोल सकता। लेकिन लोकतंत्र की असली तस्वीर के लिए आंतरिक लोकतंत्र होना चाहिए। हां, कभी-कभी हम कुछ ज़्यादा ही बोल जाते हैं। उन्होंने कहा, आज पंजाब ऐसे मोड़ पर है जहां राज्य को आगे ले जाने के लिए हमें बेहतर प्रशासन देने की ज़रूरत है। राज्य के साथ प्रयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

जल्द मुद्दा सुलझ जाएगा

इस सवाल के जवाब में कि क्या पार्टी के पंजाब प्रभारी के दौरे के दौरान यह मुद्दा सुलझ जाएगा, सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व किसी भी शिकायत का समाधान करेगा। उन्होंने कहा, प्रभारी सभी से मिलते हैं और उन्हें सभी से मिलना भी चाहिए। अगर कोई शिकायत है, तो सिस्टम इसीलिए बना है। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से उन शिकायतों पर ध्यान देंगे, और पार्टी आलाकमान भी।

मानवाधिकार उल्लंघनों को दिखाने वाली फिल्मों पर प्रतिबंध न लगे

इस बीच, एक ओटी प्लेटफॉर्म से सतलुज फिल्म को हटाए जाने पर सिंह ने इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को दिखाने वाली फिल्मों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए।

राम मंदिर में चोरी, जमीन घोटाले में शामिल लोगों को कब मिलेगी सजा

» आप संयोजक ने पीएम मोदी से पूछा- दोषियों को क्यों बचाया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल किया कि चोरी और ज़मीन के घोटालों में कथित तौर पर शामिल लोगों को क्यों बचाया जा रहा है। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के एक सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने बीजेपी नेता नितिन नवीन की सादगी की तारीफ की थी। एक्स पर आप प्रमुख ने लिखा, नितिन जी के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद।

प्रधानमंत्री जी, पूरा देश यह जानना चाहता है कि श्री राम मंदिर में चोरी, ज़मीन घोटाले और निर्माण कार्य में कमीशन खाने में शामिल लोगों को क्यों बचाया जा रहा है? उन्हें सख़्त सजा कब मिलेगी? राजनीति यह राजनीतिक बहस तब शुरू हुई जब मोदी ने भाजपा नेता नितिन नवीन की सादगी और सीधेपन की तारीफ़ की। एक सहयोगी द्वारा नबीन के सादगीपूर्ण छात्र जीवन के किस्से साझा करने के बाद प्रधानमंत्री ने नबीन की प्रशंसा की। नबीन के बचपन के दोस्त पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे मूल्य भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व का विषय हैं। यह सादगी और स्पष्टवादिता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व का विषय है। यह घटना केजरीवाल द्वारा नितिन नबीन पर कटाक्ष करने के बाद हुई, जब नबीन ने विपक्षी नेताओं पर हिंदू देवी-देवताओं के अपमान पर चुप रहने का आरोप लगाया था। यह लखनऊ में भाजपा के शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन में नितिन के भाषण के जवाब में था, जहां उन्होंने कहा था, आज मैं राहुल गांधी, अखिलेश यादव और केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि हिंदू धर्म को इतना कमजोर न समझें कि लोग आपकी बयानबाजी में आ जाएं।

जिम्बाब्वे से टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

» सैमसन बाहर, 23 जुलाई से होगी तीन मैचों की सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर के ही हाथ में है। दिलचस्प बात यह है कि इस टीम में संजू सैमसन को मौका नहीं मिला है। वहीं, युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल हैं। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज 23 जुलाई से खेली जाएगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड और इंग्लैंड के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए भी टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को भी इस सीरीज के लिए चुना गया है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान बने रहेंगे। वहीं, ईशान किशन, रिंकू सिंह और शिवम दुबे का नाम भी टीम में है।

इस सीरीज में कई खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। वहीं, विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को आराम दिया गया है। इनकी जगह प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और मयंक यादव को मौका मिला है। इतना ही नहीं, अक्षर पटेल भी जिम्बाब्वे दौरे पर नहीं जाएंगे। सूर्यांश शेडगे, हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह मिली है।

भारत का तीसरा टी20 मैच इंग्लैंड से आज

नॉटिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला आज नॉटिंघम में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था और भारत सीरीज में 0-1 से पीछे चल रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की टी20 में यह तीसरी हार थी। इससे पहले टीम को आयरलैंड के खिलाफ भी दो मैचों में हार मिली थी। भारत को अगर सीरीज जीतनी है तो उसे हर हाल में तीसरा टी20 मुकाबला अपने नाम करना होगा। भारत ने दूसरे टी20 मैच में प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया था और संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया था। इस स्थिति में एक बार फिर सैमसन को बाहर बैठना पड़ेगा। वैभव के साथ अभिषेक शर्मा पारी का आगाज करने उतरेंगे। यानी ये तय है कि भारत बल्लेबाजी क्रम में तो कोई बदलाव नहीं करेगा। जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की जगह खतरे में दिखाई दे रही है। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 में बिश्नोई पूरी तरह लय से बाहर नजर आए। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को मौका मिल सकता है। स्विंग और पिच से अतिरिक्त हरकत हासिल करने की उनकी क्षमता उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर विकल्प बनाती है।

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा में पक्षपात

» कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने एग्जाम की निष्पक्षता पर उठाए सवाल, अभ्यर्थियों के वीडियो किए जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद एवं महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा के स्नातकोत्तर शिक्षक स्तर की परीक्षा में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई को प्रदेश के 238 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में कई स्थानों पर प्रश्न पत्रों की सील टूटी मिली, जिससे पूरी परीक्षा की निष्पक्षता संदेह के घेरे में आ गई है। उनके अनुसार रेवाड़ी, दादरी सहित कई केंद्रों पर यह स्थिति सामने आई और दादरी के अधिकारियों ने भी सील टूटने की बात स्वीकार की।

सुरजेवाला ने कई अभ्यर्थियों के वीडियो भी जारी कर आरोप लगाया कि रेवाड़ी और कैथल में प्रश्न पत्र तथा उत्तर पत्रिका के क्रमांक अलग-अलग मिले। कुछ परीक्षार्थियों को पहले दूसरे विषय का प्रश्न पत्र दिया गया, जिसे बाद में बदला गया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रश्न पत्र में कई गंभीर त्रुटियां थीं। कुछ प्रश्न बिना गद्यांश के पूछे गए, एक प्रश्न में वाक्य ही नहीं छापा गया, कई शब्दों की वर्तनी गलत थी, विज्ञान विषय में अनुवाद संबंधी गलती हुई और वाणिज्य विषय में प्रश्नों का क्रम भी गलत पाया गया।

अहमदाबाद ब्लास्ट के 38 दोषियों को सजा-ए-मौत

» हाईकोर्ट ने नहीं दी 11 को उम्रकैद से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 2008 के सीरियल ब्लास्ट मामले में विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखा। इस मामले में 56 लोग मारे गए थे और 246 घायल हुए थे। कोर्ट ने 38 दोषियों की मौत की सजा और 11 अन्य को आजीवन कारावास की सजा में राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ितों को मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

मृतकों के परिजनों को 10 लाखे, गंभीर रूप से घायलों को 5 लाख और सामान्य रूप से घायलों को 1 लाख दिए जाएंगे। यह भुगतान 31 मार्च, 27 तक किया जाना अनिवार्य है।

शहर के विकास-स्वच्छता के साथ सियासी शोर

» नगर निगम कार्यकारिणी की अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

» शिवरी प्लांट में महापौर की अध्यक्षता में हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को मोहान रोड स्थित शिवरी सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण पुराने कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया गया। इनमें अनेक प्रस्तावों को कार्यकारिणी ने मंजूरी प्रदान की। इसमें कार्यकारिणी समिति के उपाध्यक्ष पद के लिए सुशील तिवारी 'पम्मी' को चुना गया तो इस पर चुनावी शोर भी मच गया।

भाजपा ने इस निर्णय पर आपत्ति की। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य सुशील तिवारी 'पम्मी'अरुण राय पृथ्वी गुप्ता संजय सिंह राठौर संदीप शर्मा राजीव बाजपेई पिंकी रावत रश्मि सिंह और विनोद यादव व नगर निगम के सभी अधिकारी भी उपस्थित रहे। मेयर सुषमा खर्कवाल के प्रस्ताव पर सुशील तिवारी पम्मी को उपाध्यक्ष चुना गया, लेकिन भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए संगठन से इस मामले में शिकायत की है। भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि कार्यकारिणी उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर उनसे कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। उन्हें बैठक की सूचना तक नहीं दी गई। उनका कहना है कि अब तक संगठन की ओर से जिस नाम पर सहमति बनती थी, उसी के आधार पर कार्यकारिणी उपाध्यक्ष का चयन होता रहा है, लेकिन इस बार मेयर ने अपने स्तर पर निर्णय लेकर पार्टी की स्थापित परंपरा और संगठनात्मक प्रक्रिया की अनदेखी की है।

सुशील तिवारी 'पम्मी' बने कार्यकारिणी उपाध्यक्ष

बैठक की शुरुआत में कार्यकारिणी समिति के उपाध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया पूरी की गई। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्य सुशील तिवारी 'पम्मी' को उपाध्यक्ष चुना। उनके चयन पर महापौर सुषमा खर्कवाल सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने शुभकामनाएं दीं। इसके बाद कार्यकारिणी के समक्ष विभिन्न विभागों से जुड़े प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

मोदी की नीतियों ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान कर दिया: खरगे

» पासपोर्ट इंडेक्स में भारत की रैंकिंग गिरने पर विपक्ष ने उठाए सवाल

» कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा व सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रामंदिर चोरी, पेपर लीक जैसे मामलों में घिरी मोदी सरकार एक और मामले में विपक्ष के निशाने पर आ गई है। अबकी बार कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत की पासपोर्ट इंडेक्स में रैंकिंग गिरने पर सवाल उठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और ग्लोबल सिटिज़न सॉल्यूशंस का हवाला दिया है जिसके अनुसार भारत ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स में क्रमश: 80वें और 125वें स्थान पर खिसक गया है।

उन्होंने पासपोर्ट फीस में हालिया बढ़ोतरी को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सेवाओं में सुधार करने के बजाय, केंद्र ने पासपोर्ट को और महंगा कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत की गिरती पासपोर्ट रैंकिंग और सालाना पर्यटकों की संख्या में कमी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

पीएम मोदी के 2018 के दावे कहां हैं

पीएम मोदी ने 2018 में दावा किया था। विदेशों में यात्रा करने और रहने वाले लोग आज भारतीय पासपोर्ट के सम्मान और ताकत को जानते हैं। वह ताकत कहां दिखती है? तथ्य उनके दावों को गलत साबित करते हैं। एक ग्लोबल पासपोर्ट रैंकिंग में, भारत 13 में 74वें स्थान से गिरकर जून 26 में 80वें स्थान पर आ गया है। एक और ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स भारत को 26 में 125वें खराब स्थान पर रखता है। उन्होंने आगे कहा, सेवाओं को बेहतर बनाने के बजाय, मोदी सरकार ने पासपोर्ट को और महंगा कर दिया है। पासपोर्ट फीस 1,500 से बढ़ाकर 2,500 कर दी गई है, जबकि तत्काल चार्ज 5000 तक बढ़ गए हैं।

इजरायल के पीएम नेतन्याहू पर भड़की कांग्रेस

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के एक बयान का जवाब देते हुए भारत और भारतीयों की खूब

सराहना की थी। उन्होंने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत, इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। लेकिन, कांग्रेस ने भारत की इस सराहना को लेकर न सिर्फ नेतन्याहू, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर ले लिया है। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कम्युनिकेशन इंचार्ज जयराम रमेश ने जेडी वेंस के बयान के बदले में बेंजामिन नेतन्याहू के जवाब को लेकर कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है, एक्स पर पार्टी की ओर से लिखा है, पीएम नेतन्याहू गलत हैं।

मोदी की इजरायल के प्रति अंधभक्ति : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने कहा इसमें कोई संदेह नहीं कि इजरायल मोदानी साम्राज्य में पूरी तरह से समाया हुआ है और नरेंद्र मोदी की उसके प्रति अंधभक्ति है। लेकिन, करोड़ों भारतीय गाजा में इजरायल की ओर से हो रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चे भी नहीं बख्शे गए, वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों को जबरन बेदखल कर विस्थापित करने की निंदा करते हैं, ईरान पर भारी हवाई हमले, जिसमें टारगेटेड हत्याएं भी शामिल हैं और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमले की भी निंदा करते हैं। मानवता पर सीधे हमले हैं।

अपनी विफलता को छिपा रही है सरकार

खरगे ने सरकार से यह भी पूछा कि क्या वह एनआरआई के आने की संख्या को विदेशी पर्यटकों के डेटा के साथ मिलाकर अपनी विफलता को छिपा रही है, और आरोप लगाया कि भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन अभी भी कोरोना-पूर्व के समय से कम है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा भारत में यात्रा करने में आसानी के मामले में भी, विदेशी पर्यटकों का आगमन अभी भी कोविड-पूर्व के स्तर से नीचे है- यह 10.93 मिलियन (2019) से घटकर 9.95 मिलियन (24) हो गया है। क्या मोदी सरकार एनआरआई के आगमन को विदेशी पर्यटकों के डेटा के साथ मिलाकर इस विफलता को छिपा रही है? भारत का आधिकारिक वीज़ा आवेदन पोर्टल अभी भी इतना पुराना और उलझाने वाला क्यों है कि यह 1990 के दशक के आखिर की वेबसाइट जैसा लगता है? अतिथि देवो भव की धरती भारत में कोई भी पर्यटकों का इस तरह स्वागत नहीं करना चाहता?

सीजेपी को हाईकोर्ट से राहत, एक्स हैंडल पर बैन हटेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर शुरू हुई मुहिम कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स हैंडल को बहाल करने का आदेश दिया है। मंगलवार को पारित अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र सरकार के अकाउंट ब्लॉक करने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्र के अवरोधक आदेश के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके द्वारा दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया।

सुनवाई के दौरान, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा नीट के दोबारा आयोजन से पहले अराजकता से बचने के लिए यह अकाउंट ब्लॉक किया गया था। सरकार का तर्क था कि ऐसे अकाउंट से गलत सूचना फैल सकती है, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है। उच्च न्यायालय ने सरकार के तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि नीट को लेकर केंद्र की चिंता अब प्रासंगिक नहीं है। इसका मतलब है कि परीक्षा से संबंधित संभावित गड़बड़ी का खतरा अब समाप्त हो गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तभी लगाया जा सकता है, जब कोई ठोस और तात्कालिक खतरा हो। इस मामले में ऐसा कोई खतरा मौजूद नहीं था।

हत्या के मामले को सांप्रदायिक रंग दे रही है भाजपा: कीर्ति आजाद

» टीएमसी ने सुवेंदु सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आज़ाद ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में एक नाबालिग लड़की के कथित रेप और हत्या के मामले को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पीड़िता का धर्म मायने नहीं रखता और ध्यान न्याय दिलाने पर होना चाहिए।

आजाद ने आरोप लगाया कि बीजेपी अपराध पर ध्यान देने के बजाय इस घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। उन्हें हर चीज में सांप्रदायिक पहलू दिखता है। एक लड़की की जान चली गई। चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई उसके साथ रेप हुआ। सरकार को रेप पर बयान जारी करने में ही चार दिन लग गए। उन्होंने चुनाव के सात दिनों के भीतर कार्रवाई का वादा किया था-सरकार बनने के तुरंत बाद हमारी बेटी के साथ हुई बर्बरता पर कार्रवाई करने का संकल्प लिया था। तब से दो महीने बीत चुके हैं, पीड़िता की मां, जो बीजेपी विधायक रेखा देबनाथ हैं, ने कहा है कि सरकार ने इन दो महीनों में कुछ नहीं किया है।

कश्मीर के डोडा में फ्लैश फ्लड का कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ठठरी कस्बे में मंगलवार तड़के भारी बारिश के बाद अचानक आए फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचाई। रात के अंधेरे में आई इस आपदा ने लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया।

चारों ओर तबाही का मंजर

पहाड़ियों से मलबा, बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें तेज बहाव के साथ नीचे आए, जिसने रास्ते में आने वाले कई मकानों, दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया। सुबह जब लोगों की आंख खुली तो चारों ओर तबाही का मंजर था। सड़कों पर मलबा फैला हुआ था, कई वाहन मिट्टी और पत्थरों के नीचे दबे पड़े थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ वाहन तेज बहाव में बहकर चिनाब नदी तक पहुंच गए।

हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फ्लैश फ्लड के कारण डोडा-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग भी ठठरी के पास बंद हो गया, जिससे दोनों जिलों के बीच यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाकर सड़क को खोलने का काम शुरू किया। डिप्टी कमिश्नर डोडा कृष्ण लाल ने बताया कि जिले में भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पहाड़ियों से मलबा और पत्थर सड़क पर आ गए थे। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभावित सड़कों को साफ कराया और यातायात बहाल किया। पिछले दो दिनों में डोडा और किश्तवाड़ जिलों में यह तीसरी फ्लैश फ्लड की घटना है। लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और मलबा आने का खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

योगीराज में भू-माफियाओं के हौसले बुलंद

» दबंग भू-माफिया पर घर में घुसकर मारपीट, लूट और महिला से अभद्रता का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के चौक थाना क्षेत्र के मिर्जा मंडी निवासी शीबू खान कथित दबंग भू-माफिया और उसके लगभग 100अज्ञात साथियों पर घर में जबरन घुसकर मारपीट, लूटपाट, महिलाओं से अभद्रता और जान से मारने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़ित मोहम्मद सिराज ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।शिकायत के अनुसार, 5 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे दबंग भूमाफिया अपने

दबंग शीबू खान

साथियों के साथ पीड़ित के घर पहुंचे और जबरन घर में घुस गए। आरोप है कि घर में तोड़फोड़ की गई, मोबाइल फोन छीने गए, सामान बाहर फेंका गया और विरोध करने पर परिवार के लोगों के साथ मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी के साथ अभद्रता और अश्लील हरकत करने का भी प्रयास किया गया, जबकि उसकी मां को बंधक बना लिया गया। घटना की सूचना डायल-112 पर भी दी गई।

> इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह का कहना है दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई जिसकी जांच चल रही है जांच पूरी हो जाने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> -इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह

पीड़ित का कहना है कि यह विवाद कोई अचानक हुई घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद से जुड़ा है। आरोप है कि आरोपी पहले भी कब्जे की नीयत से धमकियां देता रहा है। 17 जून को कथित तौर पर 15-20 लोगों के साथ घर में आकर धमकाने और पीटने की धमकी दी गई थी, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि विवादित संपत्ति को लेकर सिविल न्यायालय में वाद विचाराधीन है। इसके बावजूद आरोपी न्यायालय की प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए जमीन पर कब्जा करने का लगातार प्रयास कर रहा है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि 8 जून को आरोपी ने फोन कर गाली-गलौज करते हुए घर खाली करने और जान से मारने की धमकी दी थी। कॉल रिकॉर्डिंग होने का दावा करते हुए पीड़ित ने इसे भी साक्ष्य के रूप में पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी अपील की है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर तीन भाइयों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में मंगलवार एक सड़क हादसे में 3 बच्चों की मौत हो गई। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे गुब्बारे बेचने वाले को रौंद दिया। हादसे में दो लोग घायल भी हो गए। हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाईपास पर हुआ।

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और स्थानीय लोगों मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसने लोहे की रेलिंग तोड़ दी और सड़क किनारे नाले के पास खड़े बच्चों को कुचल दिया। टक्कर के बाद लोग नाले में गिर गए। तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा